

* माउंट एवरेस्ट चौटी :- नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित

विश्व की सर्वोच्च चौटी है जिसे नेपाल में सागरमाथा व
चीन में चैमोलुंगमा कहा जाता है।

→ न्यूजीलैंड ; 1953

⇒ इस पर चढ़ने वाले प्रथम व्यक्ति एडमंड हिलेरी व

तेनजिग नोर्गे शेर्पा हैं जबकि प्रथम महिला जापान की

जुंको ताबई है, जो 16 मई 1975 को एवरेस्ट पहुंची।

⇒ बछेन्द्री पाल = 1984

⇒ लगातार 2 बार ME चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला = संतोष यादव

⇒ ME पर चढ़ने वाली प्रथम दिव्यांग भारतीय महिला = अरुणिमा सिन्हा

↓ पुस्तक

"Born Again on the Mountain"

→ सतलज का भारत में प्रवेश

शिपकीला दर्रा (HP)

नाथुला व जलैप्ला दर्रा
(सिक्किम)

भारत में ब्रह्मपुत्र
का प्रवेश

बोमडीला दर्रा (AP)

यांग्याप दर्रा (AP)

दीफू दर्रा

भारत-म्यांमार-चीन
सीमा पर

तुजू दर्रा
(मणिपुर)

4 दर्रे (प. से पूर्व) - UK

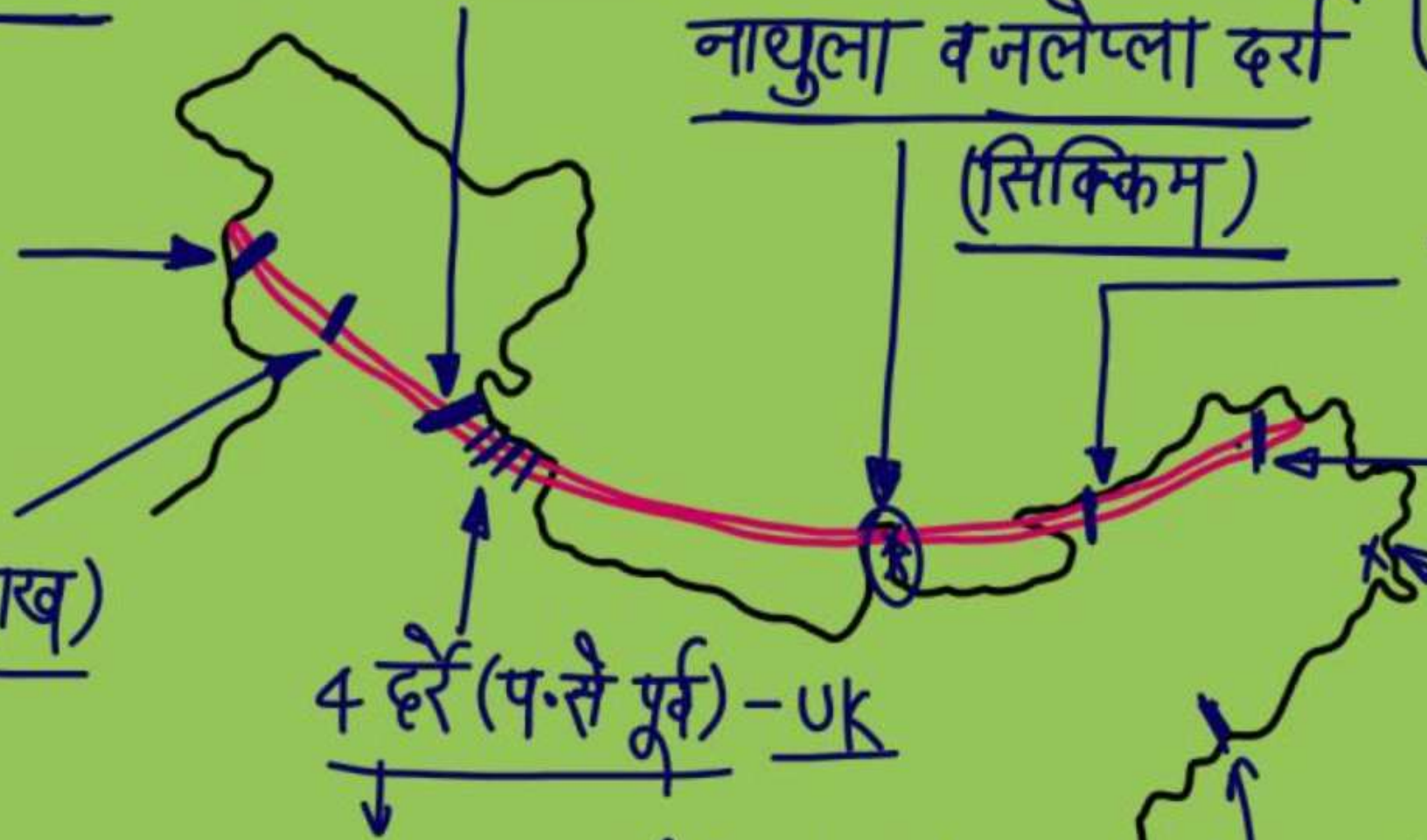
थागाला, माना, नीति, लिपुलेख

→ श्रीनगर + गिलगित

बुर्जिल दर्रा
(POK)

जोजिला दर्रा (लद्दाख)

श्रीनगर + लैह



⊕ नाचुला दर्रा सागरिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है, जो डोकलाम के काफी निकट स्थित है। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद पुनः व्यापारिक आवागमन वर्ष 2006 में इसी दर्रे से शुरू हुआ था।

जैलेप्ला दर्रा कलिम्पोंग की ल्हासा से जोड़ता है।

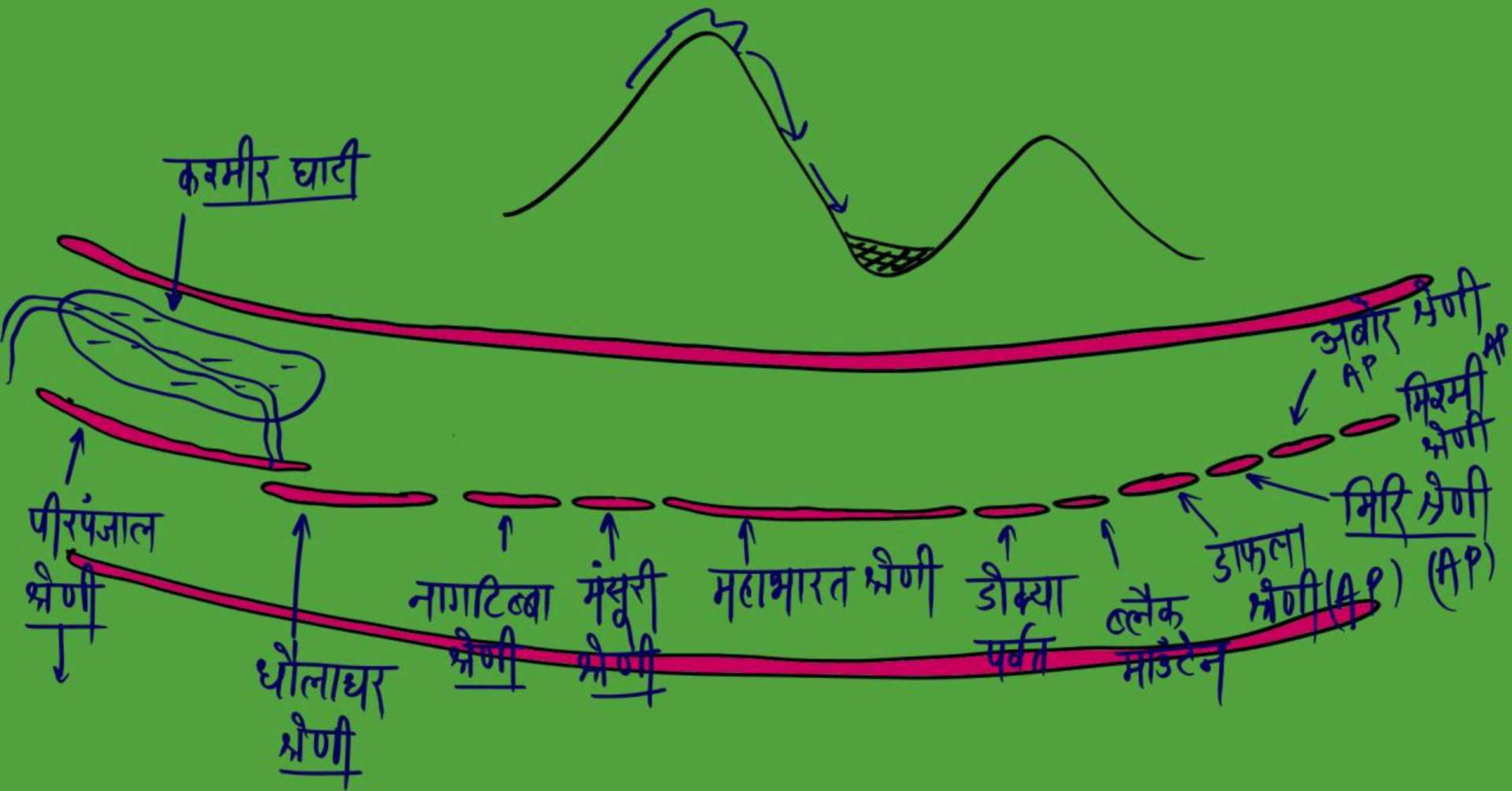
मध्य या लघु हिमालय :- यह हिमालयी भाग

✓ असतत रूप से अथवा खंडित रूप में विस्तृत है।

✓ इसे हिमाचल या निम्न हिमालय भी कहा जाता है।

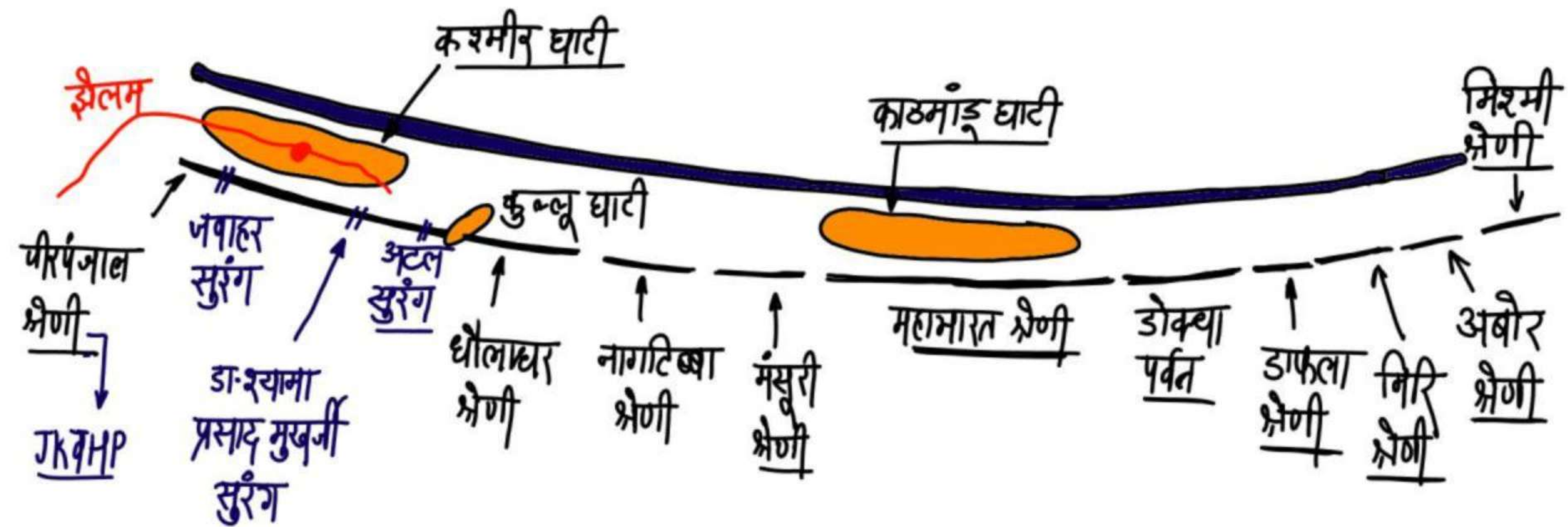
✓ औसत ऊंचाई = 3700-4500 मी. (★)

✓ औसत चौड़ाई = 50 Km



मध्य या लघु हिमालय :-

- औसत ऊंचाई 1800 से 4500 मी. (Bihar Board)
- औसत चौड़ाई 50 km
- यह श्रेणी असतत् रूप से विस्तृत है अर्थात् कई श्रेणियों के रूप में खण्डित दिखाई देती है।
- यह अत्यधिक सम्पीड़ित व परिवर्तित शैलों से बनी है।



★ पिरपंजाल झेलनी :- भारत में लघु हिमा. की सबसे लंबी झेलनी है, जिसका विस्तार JK व HP में है। 400 km

→ इसमें 3 महत्वपूर्ण सुरंगें -

→ जवाहर सुरंग - JK में है तथा 2.8 km लंबी है।

↳ काजीगुंड व बनिहाल को जोड़ती है।

↳ निर्माण - 1954 - 1956/22/dec.

↳ NH 44 पर है।

(ii) चैनानी- नासरी या पतनी टोप सुरंग या डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग :-

- JK के उधमपुर जिले में स्थित है।
- लंबाई = 9.28 km
- भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग
- उद्घाटन = 2 अप्रैल 2017 मोदी जी द्वारा

(iii) अटल सुरंग -

- HP में रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है।
- घोड़े की नाल के समान आकृति
- लंबाई = 9.02 km
- 10,000 फिट से अधिक ऊंचाई पर स्थित विश्व की सबसे लंबी सड़क सुरंग है। 2021 में गिनीज बुक में शामिल ✓
- अनावरण = 3 अक्टू. 2010 मोदीजी द्वारा



CONNECTION TO UDHAMPUR WILL LINK KASHMIR TO THE INDIAN RAILWAY GRID

OPENING
UP THE
VALLEY

BANIHAL-QAZIGUND SECTION:

11 km
tunnel through
Pir Panjal range

Country's
longest
rail tunnel

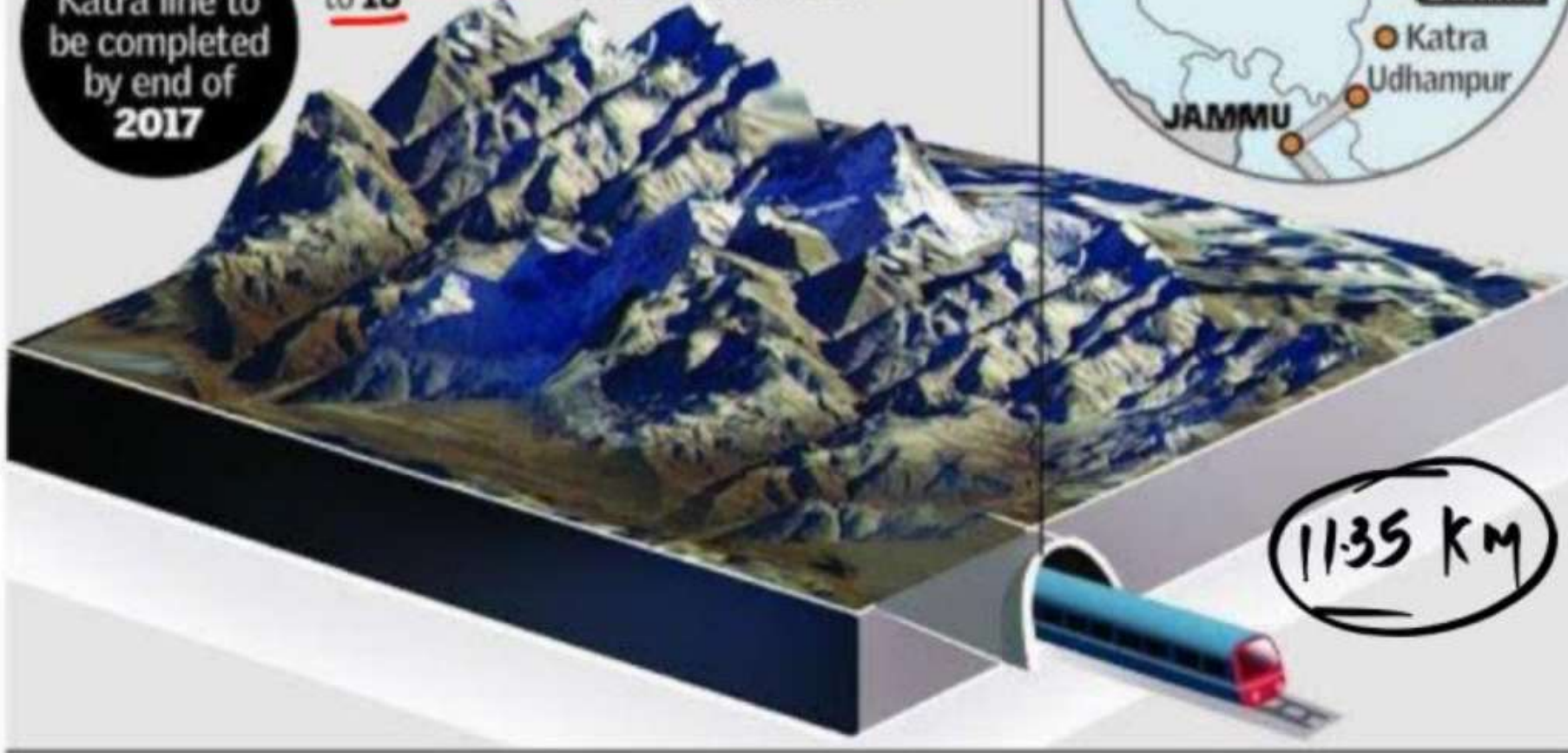
June 27

Banihal-Baramulla
train to start

Reduces the
35 km distance
to **18**

Rs. 1,691 crore
Construction cost

Banihal-
Katra line to
be completed
by end of
2017



THE WORLD'S LONGEST HIGHWAY TUNNEL

The Atal Tunnel in Rohtang, the world's longest highway tunnel above 10,000ft, will be inaugurated by PM Narendra Modi today. It took 10 years to build, but was under budget, and will cut 5 hours of travel



काजीगुंड - बनियाल सुरंग

→ पीरपंजाल श्रेणी (JK) में स्थित भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग है, जिसकी लंबाई लगभग 11 km है।

✓ Note :- महान हिमा. तथा मध्य हिमा. के बीच कई संकीर्ण अनुदैर्घ्य घाटियों का विकास हुआ है जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण घाटियाँ निम्न हैं -

Note
↓

कश्मीर घाटी केसर उत्पादन
(जाफरान केसर - सर्वश्रेष्ठ किस्म)
हेतु प्रसिद्ध हैं तथा केसर के
उत्पादन में भारत का विश्व में
इरान के बाद दूसरा स्थान है

≈ ①. कश्मीर घाटी :- महान हिमा. व पीरपंजाल श्रेणी के मध्य

- निर्माण - प्लिस्टोसीन काल में
- जलोढ़ों व हिमोढ़ों के निक्षेपण से (इन्हीं अवसंधों को करीवा कहते हैं)
↓
- विशाल सरावर के स्थान पर निर्मिति हुई है, जिसका अवशेष बूलर झील है
- इससे सैलम नदी प्रवाहित होती है

≈ उच्च ह्यूमस युक्त गहरे
रंग वाली अत्यधिक उपजाऊ
मृदा है

↳ किनारे सम्राट अशोक द्वारा श्रीनगर की स्थापना।

कुल्लू घाटी - पीरपंजाल तथा चौलाघर श्रेणियों के मध्य

कुल्लू घाटी: पिरपंजाल व धौलाधर श्रेणियों के मध्य स्थित

→ HP में स्थित

→ देवताओं की घाटी कहा जाता है।

→ रावी नदी प्रवाहित होती है।

पार्वती घाटी :- HP में

→ मणिकरण स्थान स्थित है जो सिक्ख धर्म से संबंधित तीर्थ स्थल है तथा गर्म जल के फव्वारे/चरमों हेतु प्रसिद्ध है।

↓
भू तापीय ऊर्जा के स्रोत

हिमालय में अन्य महत्वपूर्ण घाटियाँ -

कांगडा घाटी - HP में

↳ धर्मशाला बसा है

दलाई लामा व उनके
अनुयायीओं द्वारा शरण
ली गयी।

किन्नौर घाटी - HP में

↳ HP के अंतिम गांव चिटकुल का रास्ता प्रदान
करती है।

पंजा घाटी - HP में

↳ डलहौजी नगर स्थित है।

★ चुंबी घाटी - सिक्किम

↳ इसी के अंतर्गत डोकला क्षेत्र आता है।

लाहौल घाटी - HP

↳ इससे चंद्रा व भागा नदियां प्रवाहित होती हैं, जिन्हें संयुक्त होने के पश्चात् चंद्रभागा तथा JK में चिनाव कहा जाता है।

❌ स्पीति घाटी - (HP)

↳ गर्वी मठ स्थित है।

बौद्ध धर्म से संबंधित है।

पांगी घाटी :- HP

मर्जा घाटी - लद्दाख

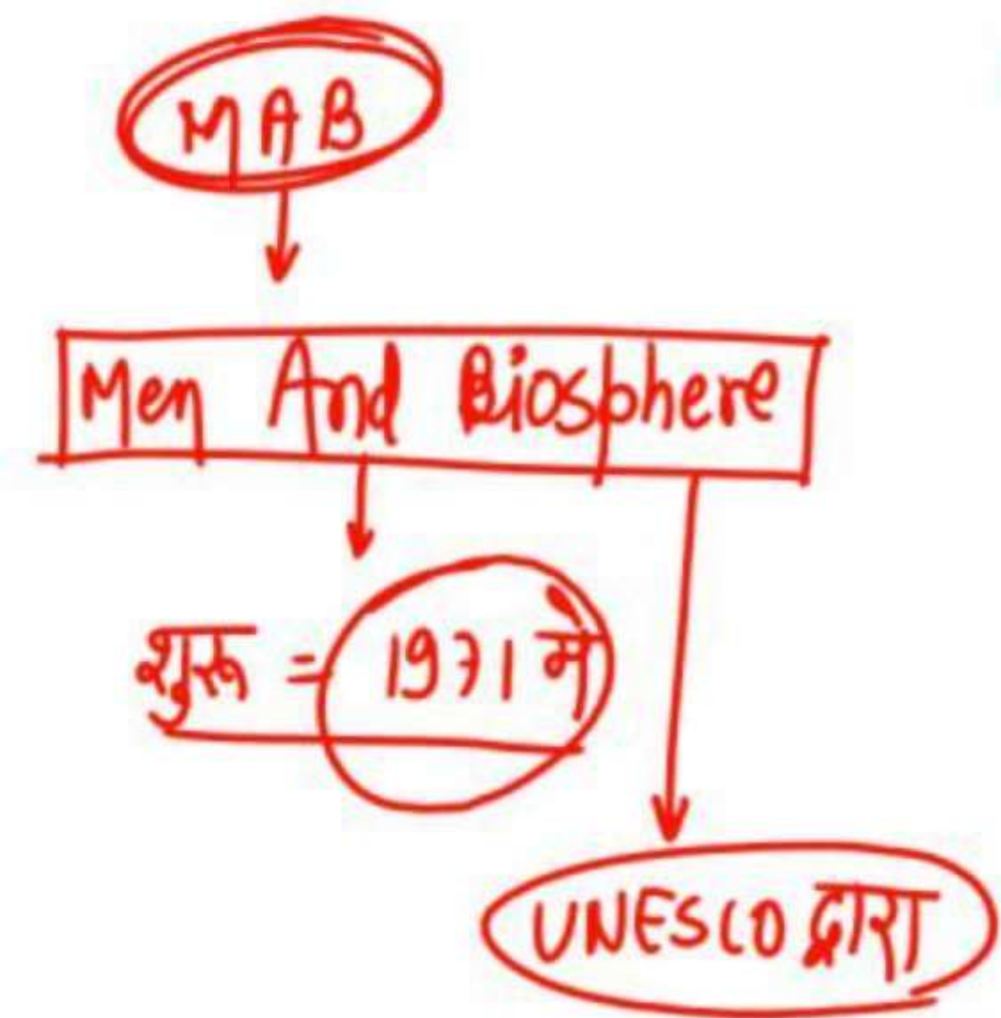
↳ हेमिस हार्ड NP का रास्ता प्रदान करती है।

सुरु घाटी - लद्दाख

↳ इसमें कारगिल नगर बसा है।

नूब्रा घाटी :- लद्दाख

↳ इसके उत्तरी भाग में सियाचिन ग्लेशियर स्थित है।



UNESCO के MAB कार्यक्रम में शामिल

★ फूलों की घाटी - UK में 1971

जोहार घाटी / मिलाप घाटी / गौरीगंगा घाटी - (UK)

नेलांग घाटी :- (UK में)

↳ इसमें गंगोत्री नेशनल पार्क स्थित है

✓ सौर घाटी :- (UK)

✓ धर्मा घाटी :- (UK)

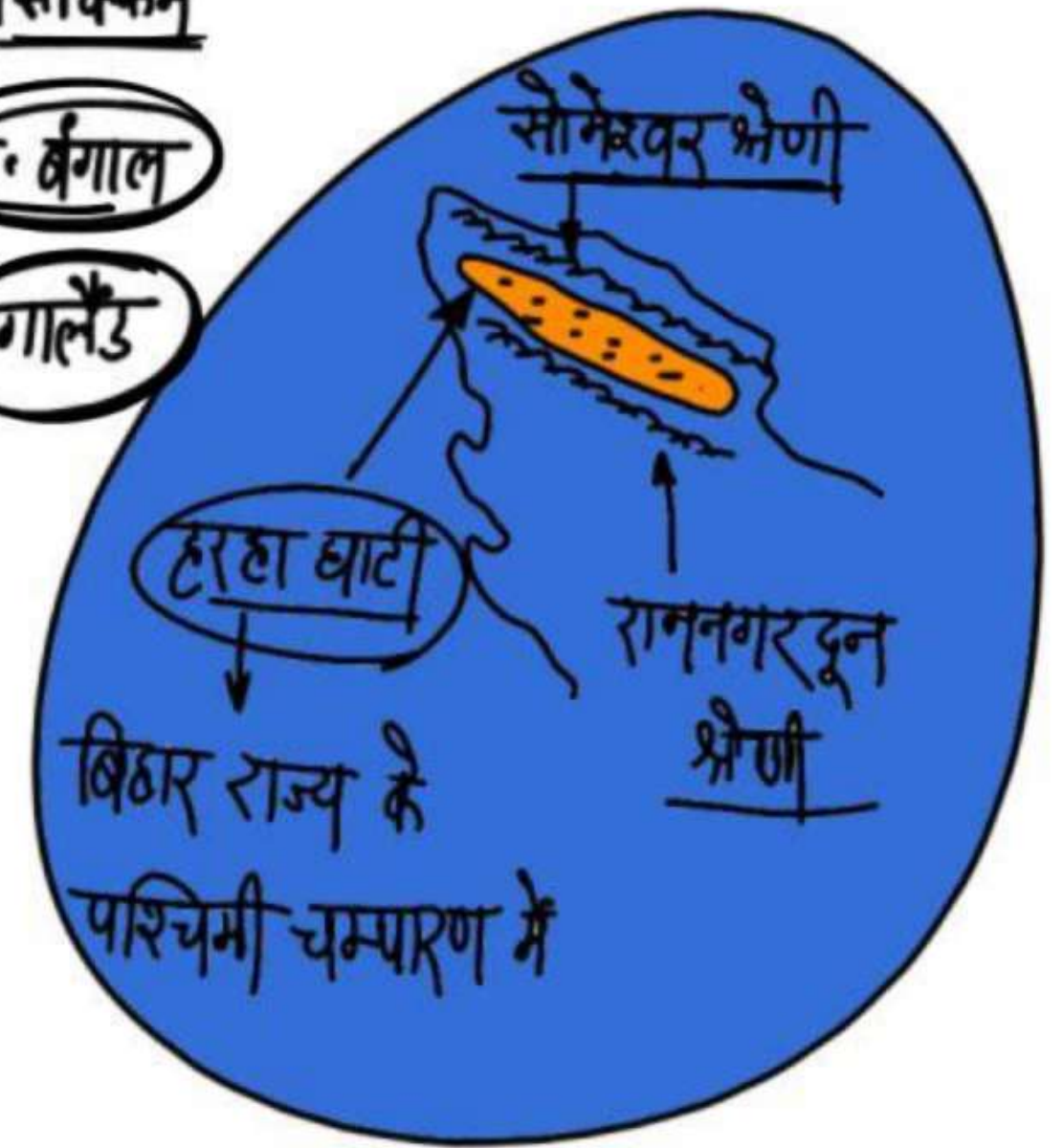
Note 3 - मणिपुर घाटी में लोकटक
झील स्थित है।

लोकटक झील में भारत का
एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय
उद्यान (Flaming N.P.) केबुललामजाओ भी स्थित है।
→ छोटे द्वीप - फुडिशा कहे जाते हैं।

युमथांग घाटी - सिक्किम

न्योरा घाटी - प. बंगाल

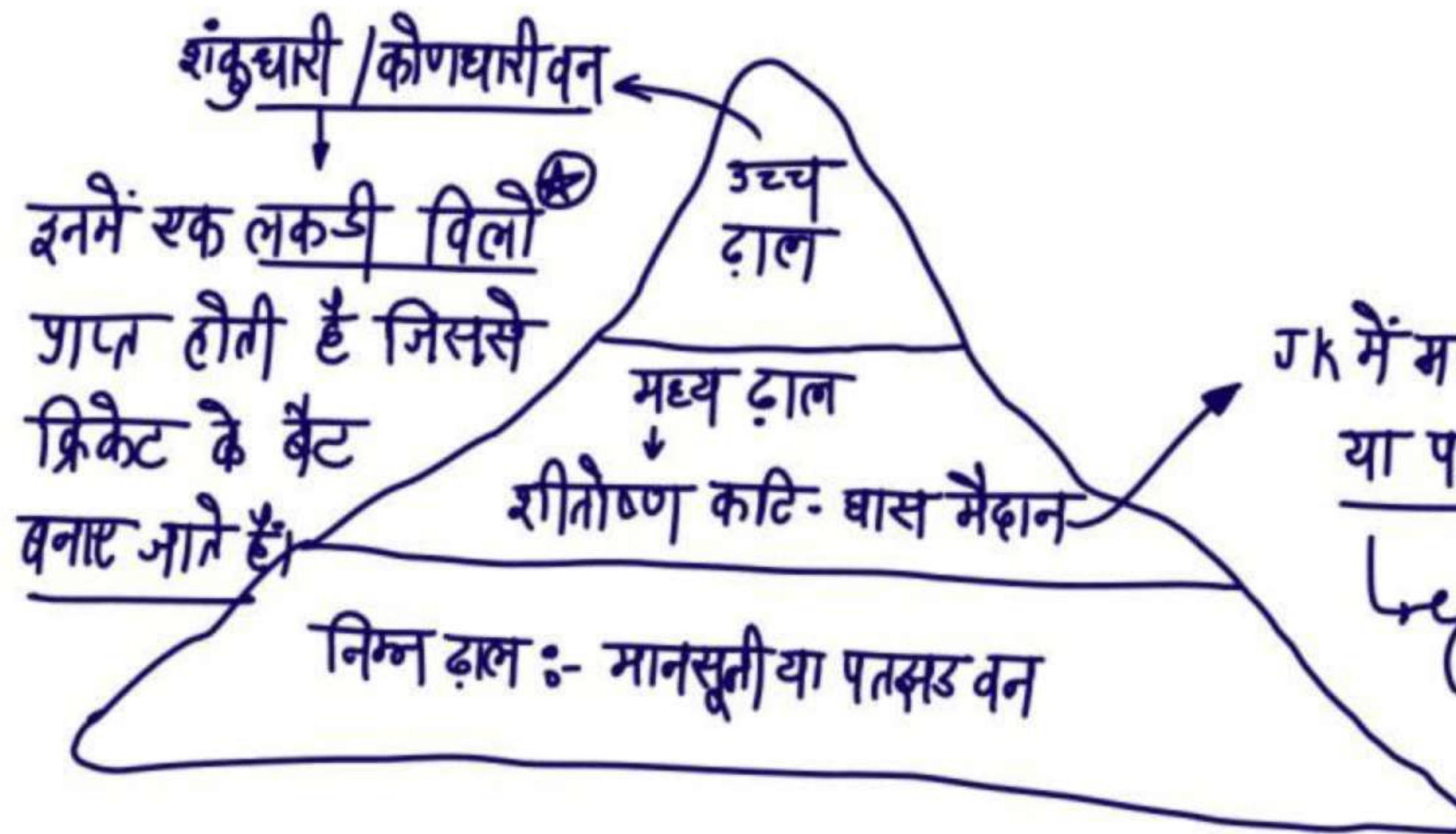
* जुबु घाटी - नागालैंड



धौलाघर श्रेणी - HP में शिमला समसौता - 1972

→ इस पर शिमला नगर बसा है।

शिमला के निकट कुफरी में आलू अनुसंधान केंद्र स्थित है।



शंकुधारी / कौणधारी वन

इनमें एक लकड़ी विलो[★]
पाए जाती है जिससे
क्रिकेट के बॉल
बनाए जाते हैं।

उच्च
ढाल

मध्य ढाल

शीतोष्ण कटि- घास मैदान

निम्न ढाल :- मानसूती या पतझड़ वन

JK में मर्ग तथा JK में बुभ्याल
या पयार कहा जाता है।

Ex. - गुलमर्ग, सौनमर्ग

बाह्य हिमालय या शिवालिक श्रेणी :-

→ हिमा. की दक्षिणतम एवं नवीनतम श्रेणी है।

→ औसत ऊँचाई :- 900 - 1500 मी (औसत चौड़ाई = 10-50 km)

→ पंजाब में पोटवार बेसिन से कोसी तक
सतत रूप से विस्तृत है जबकि अरुणाचल प्रदेश उफला, मिरि, अबौर, मिशमी
श्रेणियों के रूप में मिलता है।

→ संपीडनात्मक पदार्थ यथा रेत, मृत्तिका, चिकनी मिट्टी, गोलाश्म व कांग्लोमेरेट आदि पाए
जाते हैं।

अध्याय 2 देखें)। शिवालिक पहाड़ियों की असाधारण
निरंतरता, इनका सरोवरी उद्गम और इनका जलोढ़
निक्षेप से बना होना जिसमें रेत, मृत्तिका, चिकनी मिट्टी
गोलाश्म व कांग्लोमेरेट शामिल हैं, इस धारणा की
सुष्टि करते हैं।

THE RIVER SYSTEMS OF THE HIMALAYAN DRAINAGE

The Himalayan drainage consists of several river systems but the following are the major river systems:

The Indus System

It is one of the largest river basins of the world, covering an area of 11,65,000 sq. km (in India it is 321,289 sq. km and a total length of 2,880 km (in India 1,114 km). The Indus also known as the Sindhu, is the westernmost of the Himalayan rivers in India. It originates from a glacier near Bokhar Chu ($31^{\circ}15'$ N latitude and $81^{\circ}40'$ E longitude) in the Tibetan region at an altitude of 4,164 m in the Kailash Mountain range. In Tibet, it is known as 'Singi Khamban; or Lion's mouth. After flowing in the northwest direction between the Ladakh and Zaskar ranges, it passes through Ladakh and Baltistan. It cuts across the Ladakh range, forming a spectacular gorge near Gilgit in Jammu and Kashmir. It enters into Pakistan near Chilas in the Dardistan region. Find out the area known as Dardistan.

हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ

हिमालयी अपवाह में अनेक नदी तंत्र हैं, मगर निम्नलिखित नदी तंत्र प्रमुख हैं:

सिंधु नदी तंत्र

यह विश्व के सबसे बड़े नदी द्रोणियों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग किलोमीटर है। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग कि.मी. है। इसकी कुल लंबाई 2,880 कि.मी. है और भारत में इसकी लंबाई 1,114 किलोमीटर है। भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी है। इसका उद्गम तिब्बती क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी में बोखर चू (Bokhar chu) के निकट एक हिमनद ($31^{\circ}15'$ और $80^{\circ}40'$ पू.) से होता है, जो 4,164 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। तिब्बत में इसे सिंगी खंबान (Singi khamban) अथवा शेर मुख कहते हैं। लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के

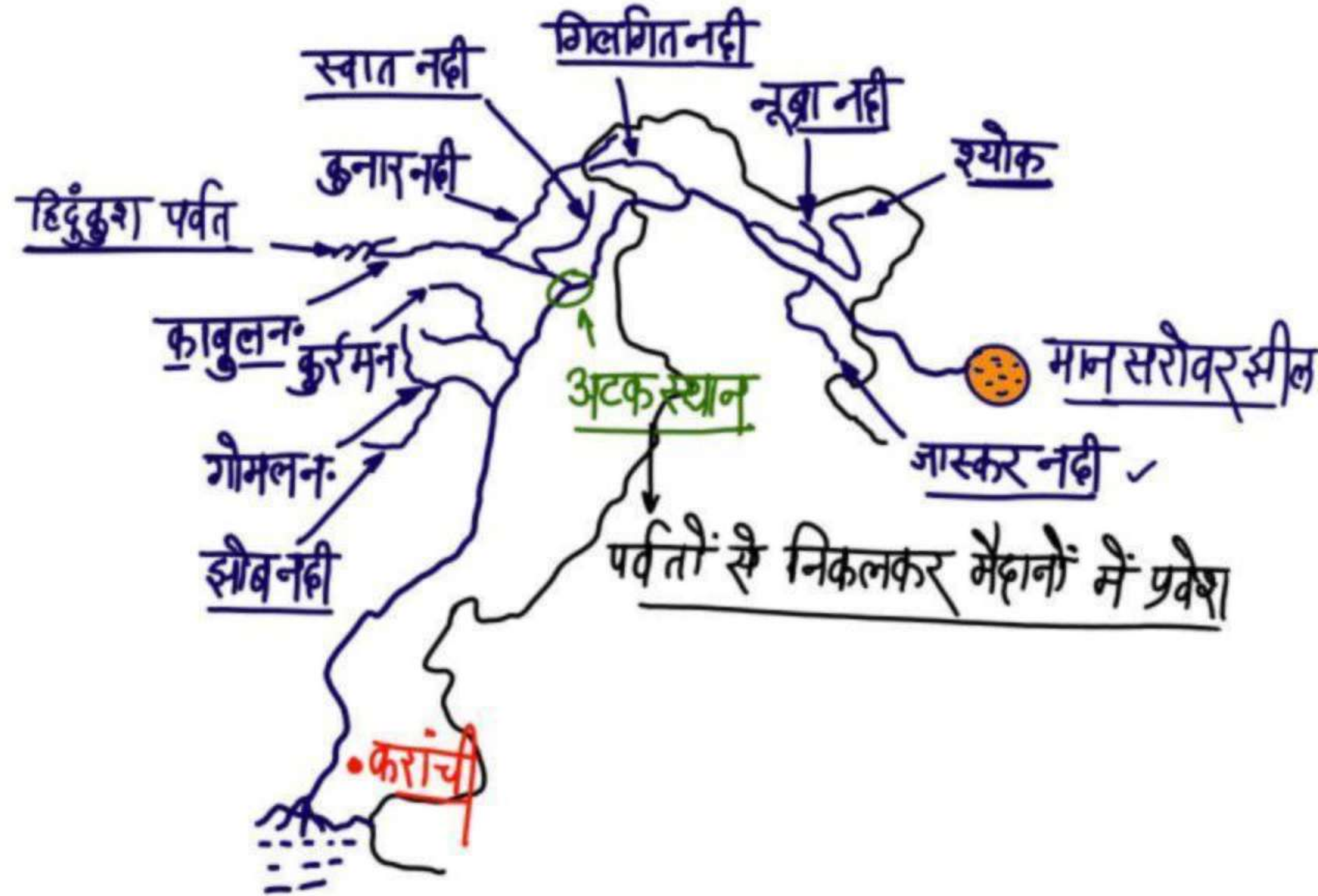
The Indus System

It is one of the largest river basins of the world, covering an area of 11,65,000 sq. km (in India it is 321,289 sq. km and a total length of 2,880 km (in India 1,114 km). The Indus also known as the Sindhu, is the westernmost of the Himalayan rivers in India. It originates from a glacier near Bokhar Chu ($31^{\circ}15'$ N latitude and $81^{\circ}40'$ E longitude) in the Tibetan region at an altitude of 4,164 m in the Kailash Mountain range. In Tibet, it is known as 'Singi Khamban; or Lion's mouth. After flowing in the northwest direction between the Ladakh and Zaskar ranges, it passes through Ladakh and Baltistan. It cuts across the Ladakh range, forming a spectacular gorge near Gilgit in Jammu and Kashmir. It enters into Pakistan near Chilas in the Dardistan region. Find out the area known as Dardistan.

बीच से उत्तर-पश्चिमी दिशा में बहती हुई यह लद्दाख और बालतिस्तान से गुजरती है। लद्दाख श्रेणी को काटते हुए यह नदी जम्मू और कश्मीर में गिलगित के समीप एक दर्शनीय महाखड्ड का निर्माण करती है। यह पाकिस्तान में चिल्लस के निकट दरदिस्तान प्रदेश में प्रवेश करती है। मानचित्र पर इस क्षेत्र को रेखांकित करें।

सिंधु नदी की बहुत-सी सहायक नदियाँ हिमालय पर्वत से निकलती हैं, जैसे - शयोक, गिलगित, जास्कर, हुंजा, नुबरा, शिगार, गास्टिंग व द्रास। अंततः यह नदी अटक के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती है, जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है। इसके दाहिने तट पर मिलने वाली अन्य मुख्य सहायक नदियाँ खुरम, ताची, गोमल, विबोआ और संगर हैं। ये सभी नदियाँ सुलेमान श्रेणियों से निकली हैं। यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मीथनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती है। पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलुज, व्यास, रावी, चेनाब और झेलम को दिया गया है। अंत में सिंधु नदी कराची के पूर्व में अरब सागर में जा गिरती है। भारत में सिंधु, जम्मू और कश्मीर राज्य में बहती है।

④ सिंधु की दारु तट की
सहायक नदियां :-





→ सिंधु नदी लद्दाख रेंजी का एक महाखड्ड (गॉर्ज) का निर्माण गिलगित के बुंजी नामक स्थान पर करती है, जो दुनिया का सबसे गहरा गॉर्ज है।

Indus cuts Ladakh range near to Gilgit and form the deepest gorge of the world in Bunji.

→ enters in Pakistan :- from chillas of Dardistan Region.
(पाकिस्तान में प्रवेश) (दर्दिस्तान क्षेत्र के चिल्लास से)

→ सहायक नदियाँ / Tributaries of Indus :- श्योक, जस्कर, गिलगित, हुंजा, नूब्रा, संगर, तोची, सोब, काबुल, विबोआ, कुर्रम, द्रास, रिगार, गासिंग आदि व पंचनद की 5 नदियाँ।

पंचनद Panchnad

:- सिंधु की बाएं तट की सहायक नदियां हैं,
जिनके द्वारा अपवाहित क्षेत्र को पंजाब कहा
जाता है।

सिंधु नदी जल बंटवारा समझौता

(Indus water Treaty) : 19. Sep. 1960

अयूब खान व प. नैहरूजी

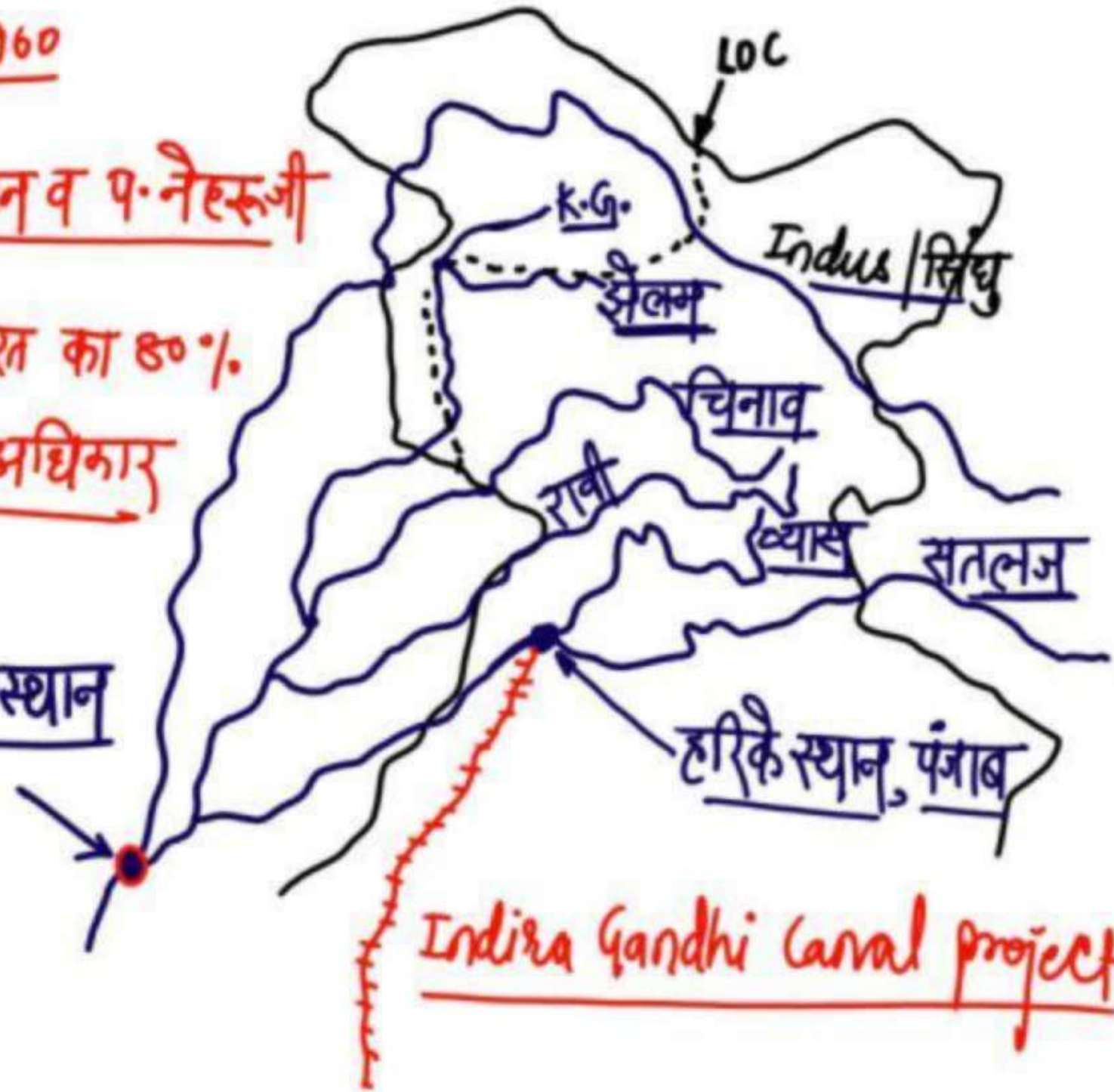
3 पश्चिमी नदियों का
80% जल पाकि. व 20%
भारत उपयोग करेगा।

≡ सिंधु, झेलम व चिनाव

3 पूर्वी नदियों पर भारत का 80%
व पाकि. का 20% अधिकार

रावी
व्याव
सतलज

मीठनकोट स्थान



Indira Gandhi Canal project

The Jhelum, an important tributary of the Indus, rises from a spring at Verinag situated at the foot of the Pir Panjal in the south-eastern part of the valley of Kashmir. It flows through Srinagar and the Wular lake before entering Pakistan through a deep narrow gorge. It joins the Chenab near Jhang in Pakistan.

The Chenab is the largest tributary of the Indus. It is formed by two streams, the Chandra and the Bhaga, which join at Tandi near Keylong in Himachal Pradesh. Hence, it is also known as Chandrabhaga. The river flows for 1,180 km before entering into Pakistan.

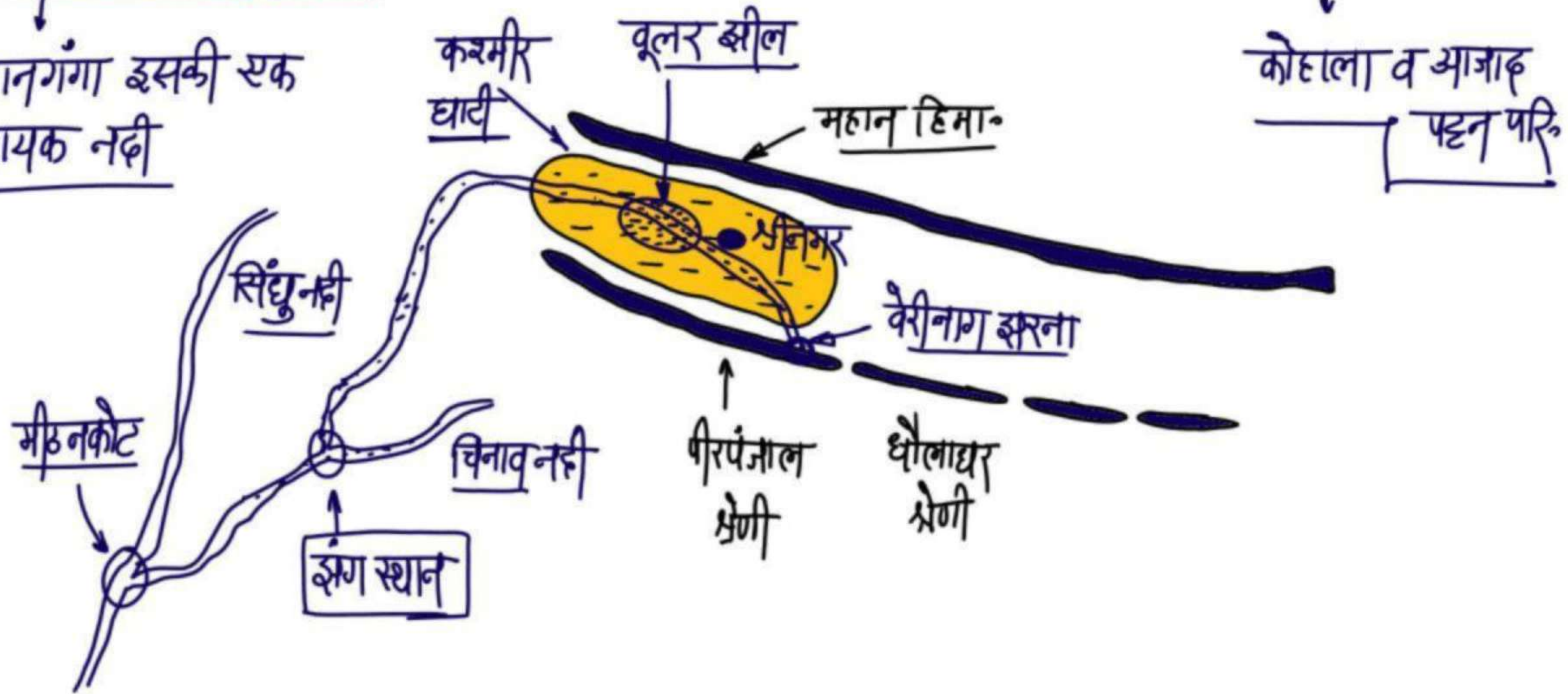
झेलम, जो सिंधु की महत्वपूर्ण सहायक नदी है, कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीर पंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग झरने से निकलती है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वूलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखड्ड से गुजरती है, पाकिस्तान में झंग के निकट यह चेनाब नदी से मिलती है।

चेनाब, सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी है। यह चंद्रा और भागा दो सरिताओं के मिलने से बनती है। ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलौंग के निकट तांडी में आपस में मिलती हैं। इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी 1,180 कि०मी० बहती है।

रावी, सिंधु की एक अन्य महत्वपूर्ण सहायक नदी है। यह हिमाचल प्रदेश की कुल्लू पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है और राज्य की चंबा घाटी से बहती है। पाकिस्तान में प्रवेश करने व सराय सिंधु के निकट चेनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीर

झेलम नदी Jhelum River :-

किशनगंगा इसकी एक
सहायक नदी



POK में झेलम

कोहाला व आजाद
पट्टन पर